an>

Title: Need to initiate a judicial inquiry into the recent law and order situation in Haryana.

श्री दुष्यंत चौटाला (हिसार) : अध्यक्ष महोदया, आज मैं बेहद ही आहत हूँ, क्योंकि मेरा प्रदेश हरियाणा आज पूरे तौर पर जल रहा है। कुछ लोग शांतिपूर्वक तरीके से अपनी मांग मांगने के लिए सड़कों पर उतरे, परंतु इस सदन के एक साथी ने निरंतर उन लोगों को उकसाने का काम किया है। महोदया, आज हमारे प्रदेश के ऐसे हालात हैं कि आज हरियाणा प्रदेश के अंदर एक नहीं 11 जिलों के अंदर इमरजेंसी लगाने का काम हरियाणा प्रदेश की और केंद्र की सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदया, प्रदेश के अंदर निरंतर इस सदन के एक सदस्य ने पिछले सवा साल से लोगों को उकसाने का काम किया और आज उसका ही नतीजा है कि हरियाणा प्रदेश के अंदर जो भाईचारा, स्वर्गीय चौधरी देवीलाल जी ने संघर्ष कर के सन् 1966 के अंदर लाने का काम किया था, आज वह भाईचारा लगभग पूरे तौर पर टूट चुका है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से केंद्र की सरकार से मांग करूंगा कि यह वह पूरा वाकया, जिसके अंदर पक्ष और प्रतिपक्ष के कुछ लोग मिल कर हमारे प्रदेश की भाईचारे की जो भावना थी, उसको तोड़ने का जिन-जिन लोगों ने काम किया है, एक ज्युडिशियल इंक्वायरी बिठा कर उन सभी लोगों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने का काम करे और इस पूरे वाकये के अंदर जो-जो विक्टिम हैं, उनको कम से कम 25 लाख रूपये का मुआवज़ा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का काम आज केंद्र की सरकार करे क्योंकि पिछले नौ दिन हरियाणा प्रदेश की सरकार पूरी तौर पर विफल रही है। आज केंद्र की सरकार ने जब इंटरवीन किया और मैं राजनाथ सिंह जी का धन्यवाद करूंगा कि उनकी इंटरवेंशन के बाद आज हरियाणा प्रदेश में दोबारा अमन-चैन, सुख-शांति आई है। केंद्र की सरकार को उन सभी दोषियों को सजा दिलाने का काम करना चाहिए, जिन्होंने यह भावना भटकाने का काम किया था।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : अध्यक्ष महोदया, मैं भी आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान पिछले करीब एक हफ्ते से हरियाणा और विशेष तौर से मेरे लोक सभा क्षेत्र में बने हुए दर्दनाक, दुखदायी और अत्यंत गंभीर घटनाक्रम की तरफ आकर्षित करना चाहूंगा। हरियाणा सहित मेरे लोक सभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हिंसा की ऐसी घटनाएं पहले कभी नहीं हुई, जिनमें जान और संपति का इतना नुकसान हुआ हो। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 21 जानें जा चुकी हैं। जबकि सच्चाई सामने आने पर यह आंकड़ा ज्यादा भी हो सकता है। एसोचैम के अनुसार 36 हज़ार करोड़ रूपये की संपति का नुकसान होने की खबर है। बहुत सारे लोगों की संपति, दुकान व जीविका के साधन आदि नष्ट हो गए हैं। सदन के माध्यम से मैं हिंसा से प्रभावित सभी परिवारों के प्रति गहरी सांत्वना प्रकट करना चाहता हूँ। सबसे बड़ा अफसोस इस बात कहा है कि जैसे अभी दुष्यंत जी ने भी यह बात कही कि हरियाणा में हुई इस हिंसा से सदियों से चले आ रहे प्रेम भाईचारे और 36 बिरादरी के सामाजिक ताने-बाने पर गहरा असर पड़ा है। आज मैं इस दुख की घड़ी में राजनीति की बात करने खड़ा नहीं हुआ हूँ। मैं दो प्रमुख मांगे आपके माध्यम से सदन के समक्ष रखना चाहूंगा क्योंकि यह इतना नाजुक मामला है कि इसकी निष्पक्ष जांच होनी बहुत जरूरी है क्योंकि निष्पक्ष जांच न होने का असर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने पर पड़ सकता है। इसीलिए मेरी मांग है कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि 19 तारीख की घटनाक्रम ने हिंसक मोड़ कैसे लिया? पहले शांतिप्रिय तरीके से चल रहा था, 19 तारीख को हिंसक मोड़ कैसे लिया? और अगले तीन दिनों तक हालात प्रदेश सरकार के नियंत्रण से बाहर कैसे बने रहे? मेरी माँग है कि इस बात की जाँच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से समयबद्ध ढंग से कराई जाए। इसके साथ-साथ जिन परिवारों में बेकसूरों की जानें गई हैं और जिनका सम्पति का नुकसान हुआ है, उसकी पूरी भरपाई सरकार तुरन्त करे। इसके अलावा कई और सवाल भी उठते हैं कि आखिर कमी कहाँ रही, राजनीतिक हैन्डलिंग में रही या प्रशासनिक हैन्डलिंग में रही। कानून व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होती है। इस जिम्मेदारी से प्रदेश सरकार कतई अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती। पिछले दो दिनों में हरियाणा के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक ने पूरी घटना के लिए बकायदा बयान देकर राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश सरकार इस मामले से निपटने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है। मैं यह भी माँग करता हूँ कि राज्य सरकार इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी अपने ऊपर ले।

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है। राज्य सरकार की बात यहा नहीं होती है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

माननीय अध्यक्ष : आपकी दो डिमांड हो गई हैं।

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : उनकी पार्टी वालों ने खुद इसको इन्विस्टगेट किया, ऐसा खबर में चल रहा है।...(व्यवधान) इसके बारे में क्या जवाब देंगे?...(व्यवधान) पूरा टी.वी. में दिखा रहे हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : केवल दो डिमांड तक बात ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : पूरा टी.वी. में ऐसा दिखा रहे हैं।...(व्यवधान) पूर्व मुख्यमंत्री के शासनकाल में पूरा ऐसा किया और वायलेंस को प्रोवोक किया, ऐसा टी.वी. में आ रहा है। क्या हमें राजनीति में जाना है? लोग वहाँ मारे गए, लोगों का नुकसान हो रहा है, हम लोग राजनीति कर रहे हैं। सबने देखा है कि किसने प्रोत्साहन किया, किसका हाथ इसके पीछे है, सब विषय की जाँच होगी तो मालूम हो जाएगा। हमारा कहना है कि राजनीति मत कीजिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बस हो गया। इस पर कोई यहाँ चर्चा नहीं कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : जाँच हो जाएगी, चिन्ता मत कीजिए, जाँच हो जाएगी, मगर राजनीति मत करे।...(व्यवधान) दीपेन्द्र, कृप्या अभी राजनीति मत करना।